<u>राज्य सभा</u>

अतारांकित प्रश्न संख्या 3644

24 जुलाई, 2019 को उत्तर के लिए

इस्पात उद्योग के लिए धातुकर्मीय कोयले की कमी

3644. श्री मनीष गुप्ताः

क्या इस्पात मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या देश में इस्पात उद्योग के लिए धातुकर्मीय कोयले की कमी इस उद्योग के विकास में गंभीर प्रतिबंधक कारक है; यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या कुछ संयंत्रों में बिजली की आपूर्ति अनियमित है, यदि हां, तो इस कारक के निराकरण के लिए की गई कार्रवाई का ब्यौरा क्या है; और

(ग) क्या श्रमिक बल उतने उत्पादक नहीं हैं, जितने अन्य विकसित देशों के अधिकांश इस्पात संयंत्रों में हैं, यदि हां, तो इसके क्या कारण हैं?

<u>उत्तर</u>

इस्पात मंत्री **(श्री धर्मेंद्र प्रधान)**

(क): जी हाँ। भारत में लो ऐश अवयव वाले कोकिंग कोल की कमी है। इसके परिणामस्वरूप, इस्पात संयंत्रों द्वारा प्रत्येक वर्ष लगभग 52 मिलियन मीट्रिक टन कोकिंग कोल का आयात किया जाता है। स्वदेशी कोकिंग कोल की कुल आपूर्ति लगभग 5 मिलियन मीट्रिक टन है।

(ख): इस्पात संयंत्रों में बिजली की आपूर्ति कैप्टिव पावर जेनरेशन के साथ-साथ पावर ग्रिड से आपूर्ति के जरिए पूरी की जाती है, जोकि नियमित है।

(ग): जी नहीं।

****